नोएडा में डाटा सेंटर कैंपस स्थापित करेगी सिंगापुर की कंपनी

अमर उजाला ब्यूरो

आईटी नीति से आकर्षित हो रहे विदेशी निवेशक

डाटा सेंटर में एक हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

लखनऊ। सिंगापुर की एसटी टेलीमीडिया लॉजिस्टिक्स और डाटा सेंटर (एसटीटी जीडीडी इंडिया) कंपनी नोएडा में ग्रीनफील्ड डाटा सेंटर कैंपस स्थापित करेगी। प्रदेश की आईटी नीति से आकर्षित होकर अमेरिका, जापान और कोरिया की कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी नोएडा में आईटी से जुड़े प्रोजेक्ट स्थापित कर रही हैं।

अमेरिकी कंपनी माइक्रोसाफ्ट और जापान की कंपनी एनटीटी ने भी नोएडा में डाटा सेंटर स्थापित करने जा रही है। आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स नीति के तहत 30 निवेशकों ने प्रदेश में 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया है और इससे तीन लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। नोएडा में डाटा सेंटर स्थापित होने से एक ओर जहां हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। वहीं, नोएडा भी डाटा हब के रूप में स्थापित होगा।

आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग के अधिकारी ने बताया कि सिंगापुर की कई कंपनियां इंट्रीग्रेटेड टाउनशिप, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स और डाटा सेंटर क्षेत्र में निवेश के लिए इच्छुक है। वहां की दो कंपनियों ने नोएडा में डाटा सेंटर की स्थापना करने और एक ने कानपुर में एग्रो के क्षेत्र में निवेश की इच्छा जताई है।

उन्होंने बताया कि सिंगापुर की कंपनी ने 600 करोड़ रुपये की लागत से 18 मेगावाट आईटी क्षमता के साथ डाटा सेंटर कैंपस बनाने का प्रस्ताव दिया है। यह डाटा सेंटर तीन एकड़ बनाया जाएगा। दूसरे चरण में 500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश के साथ 36 मेगावाट क्षमता का आईटी लोड डाटा सेंटर स्थापित किया जा सकेगा। दूसरा चरण पूरा होने के बाद प्रोजेक्ट में लगभग 1100 करोड़ रुपये का निवेश होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि डाटा सेंटर कैंपस प्रमुख क्लाउड कंपनियों, डाटा सेंटर के संचालक और बड़ी इंडस्ट्री को सर्विस देगा।

उन्होंने बताया कि आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने के लिए नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग जोन घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि चीन, ताइवान तथा कोरिया की अनेक प्रतिष्ठित कंपनियां यूपी में अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए आगे आई है। एक ओवरसीज कंपनी ग्रेटर नोएडा में 100 एकड़ जमीन में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर का निर्माण कर रही है।